अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : अप्रैल–मई 2022

परीक्षा का नाम : मध्यमा पूर्ण

विषय : गायन तथा स्वरवाद्य वादन

दि. 19/06/2022 समय : सुबह 9 से 12 कुल अंक : 100

सूचनाएँ : (1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य ।
(2) शेष प्रश्नोंमेंसें कोई भी 4 प्रश्न हल करें ।
(3) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्र. 1 निम्नलिखित रागो मे से किसी एक रागमे **(7+7+6 =20)**
विलंबीत ख्याल या मसीतखानी गत स्थायी अंतरा सहित स्वरलिपीबध्द करे तथा साथ मे 3 आलाप लिखे ।

1) भिमपलास 2) वृंदावनी सारंग 3) जौनपुरी

प्र. 2. पाठ्यक्रम में साधारण ज्ञान के लिये दिये हुवे **(10+5+5 =20)**
रागों में से किसी एक राग मे छोटा ख्याल या रजाखानी गत लिपीबध्द करे ।

1) बंदिश (स्थाई + अंतरा)
2) स्थाई के 2 आलाप
3) अंतरे के 2 आलाप

प्र. 3. निम्नलिखित में से किन्ही 2 राग जोडियों की **(10+10 = 20)**
विस्तृत तुलना किजीए । (समानता एवं भेद)

1) भैरवी – मालकंस
2) भीमपलास – पटदिप
3) भैरव – कालिंगडा
4) तिलंग – बिहाग

प्र. 4. **निम्नलिखीत तालोंकी संपूर्ण जानकारी लिखकर तालों के ठेके लिखीए।** **(4X5 = 20)**

1) दादरा की चौगुन (पलुस्कर लिपी)
2) धमार की दुगुन (भातखंडे लिपी)
3) तीनताल की ठाह / एकपट (पलुस्कर लिपी)
4) तीव्रा की दुगुन (भातखंडे लिपी)

प्र. 5. **किन्ही चार पर संक्षिप्त टिपणी लिखीए।** **(4X5 = 20)**

1) समप्रकृतिक राग
2) प्रबंध, वस्तु, रुपक
3) अधुनिक राग लक्षण
4) गायकी एवं नायकी
5) ठाठ पध्दती (उत्तर हिंदुस्तानी संगीत के संदर्भ में)

प्र. 6. **सूचनानुसार हल करे।** **(10+5+5=20)**

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ती करें।

1. केदार राग का थाट ..... है।
2. भैरवी राग की जाती ..... है।
3. भातखंडेजी द्वारा निर्मित थाटों की कुल संख्या ..... है।
4. कर्नाटक संगीत में ..... द्वारा 72 थाटों की रचना कि गयी है।
5. ..... ताल का मात्रा विभाजन 4 । 4 । 4 । 4 इस प्रकार है।
6. ..... राग महफिल के अंत में गाने का रिवाज है।
7. रुपक ताल के समान ..... भी 7 मात्राओं का ताल है।
8. पलुस्कर लिपी में खाली का चिन्ह ..... है।
9. ध्रुपद गायन सामान्यत: ..... ताल में किया जाता है।
10. जो वाद्य तार से बनाए जाते है, उन्हे ..... वाद्य कहां जाता है।

ब) सहि या गलत का चुनाव करे । **(5)**

1. बोल आलाप में बंदिश के शब्द गाये जाते है ।
2. पं. वि. ना. भातखंडेजीने 12 थाटों का निर्माण किया ।
3. भैरवी में 12 स्वर प्रयोग में लाये जाते है ।
4. पं. वि. दि. पलुस्करजीने गांधर्व महाविद्यालय की स्थापना की ।
5. कल्याण थाट गाया जाता है ।

क) आप जिस वाद्य का प्रयोग करते हो, उस वाद्य की रेखाचित्रद्वारा जानकारी दिजीए । **(5)**

प्र. 7. **निम्न में से किन्ही दो विषयोंपर संक्षेप में टिपणी लिखीए ।** **(10+10=20)**

1. अध्वदर्शक स्वर का राग में स्थान
2. अविर्भाव – तिरोभाव का उदाहरणसह महफिल में प्रयोग
3. तीनताल – तीलवाडा और एकताल – चौताल इन समप्राकृतिक तालों की जानकारी